आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
(नैक से "A" ग्रेड प्राप्त एव यू0जी0सी0 एक्ट 1956 के सेक्शन 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)

बैठक की कार्यवाही

दिनांक : 13.09.2019
समय : प्रातः 11.00 बजे
स्थान : आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ सभागार

मान्य कुलपति जी की अध्यक्षता में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्त्वाधान में विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों व आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों की बैठक ईश वन्दना के साथ प्रारम्भ हुई। बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये।

1. शोधार्थियों द्वारा शोध प्रबन्ध जमा होने के बाद उनकी मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय शोध नियमावली के अनुसार 6 माह में हो जानी चाहिए तदनुसार परीक्षा नियंत्रक सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

2. सभी छात्र/छात्राओं द्वारा अध्यापकों का फीड बैक देने हेतु ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार हो चुका है। तदनुसार फीड बैक का प्रावधान शुरू किया जाए।

3. जो अध्यापक अस्थायी रूप से कार्य कर रहे हैं, उनको असिस्टेन्ट प्रोफेसर नाम से अंकित किया जाए। इससे विश्वविद्यालय की एन.आई.आर.एफ. की रैंकिग में सुधार होगा।

4. शोधार्थियों से शिक्षण कार्य कराने हेतु फिक्स मानदेय रू0 10,000/- प्रतिमाह दिया जाना चाहिए और यह मानदेय समय-सारिणी के अुनसार देय होगा तथा नियमानुसार प्रति सप्ताह अधिकतम 10 से 12 व्याख्यान ही उन्हें पढ़ाने के लिए दिये जाने चाहिए।

5. विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के पद जो रिक्त पड़े हैं उन रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।

6. विश्वविद्यालय के शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को उनके अच्छे कार्य के लिए पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर उनको सम्मानित किया जाना चाहिए।

7. संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि सम्बन्धित संकायों व विभागों में सभी अध्यापक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी समयानुसार उपस्थित रहें तथा अपने कार्य का निर्वहन करें।

8. प्रशासनिक कार्यालयों के अध्यक्ष सुनिश्चित करें कि सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी समयानुसार अपने अनुभागों में उपस्थित रहें और अपने कार्य का निर्वहन करें।

9. स्थायी शिक्षकों की Annual Self Assessment for the Performance Based Appraisal System (APBAS) प्रत्यके वर्ष जमा होनी चाहिए।

10. सभी विभागों को स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए यदि विभागों में जीर्ण-शीर्ण वस्तुए हैं, तो उनका समायोजन कर नीलामी होनी चाहिए।

11. संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि उनके संकाय/विभाग में शौचालय स्वच्छ एवं साफ रहें।

12. वीडियों कान्फ्रेस सॉफ्टवेयर के लिए एक कमरा प्रशासन द्वारा आवंटित कराये जाये, जिससे वीडियो कान्फ्रेस सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जा सके।

13. राष्ट्रीय मूल्याकंन एवं प्रत्यायन परिषद् की आगामी विजिटिंग तैयारी हेतु एक सॉफ्टवेयर क्रय करने की आवश्यकता है, जिससे सभी विभागों व अध्यापकों का डाटाबेस तैयार किया जा सके।

14. विश्वविद्यालय के Alumni Association द्वारा एक कोष की स्थापना की जाए उक्त कोष की शुरुवात करने के लिए श्री अम्बरीश कुमार, पूर्व विधायक (सदस्य,आ0गु0आ0प्र0) ने रु0 50000/- की राशि देने की घोषणा की उक्त सन्दर्भ में विश्वविद्यालय Alumni Association के कोर्डिनेटर/सचिव द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाये।

15. सभी संकायाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों द्वारा अपने विषय के पाठ्यक्रमों को संशोधित कराया जाये तथा पाठ्यक्रमों में Vedic Contents की समुचित व्यवस्था की जाये।

16. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय श्रद्धानन्द प्रकाशन केन्द्र पुनः शुरु कर दिया गया है। गतवर्ष में उक्त केन्द्र द्वारा तीन पुस्तकें प्रकाशित की गईं। वर्ष 2019-20 में पुस्तकों के प्रकाशन हेतु पांडुलिपियां आमंत्रित की जाये।

17. Plagiarism Software को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

शान्ति पाठ के पश्चात् बैठक सम्पन्न हुई।

*****

अध्यक्ष
कुलपति

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

Internal Quality Assurance Cell
Gurukula Kangri Vishwavidyalaya, Haridwar

Action Taken Report

IQAC Meeting Held on 13.09.2019 at 11.00am
Venue: IQAC Conference Room

The resolutions of the IQAC are taken into serious consideration. In the present period of five years number of meetings held and all the quality related resolutions have been accepted and implemented by the administration. The latest meeting of IQAC was held on 13.09.2019 in which 17 resolutions were made and out of them all the resolutions related to quality measures have been implemented:

1.The Ph. D. viva voce examination should be conducted within the period of six months after the submission of the Ph. D. thesis.
It is has been implemented strictly. Since then the viva voce examinations are being conducted normally within three four months after the submission of the Ph. D. thesis.

2.The online feedback structure has been prepared. Hence, the provision of feedback system should be implemented.
It has been decided to implement it at the earliest. The final process is in progress.

3.The Non teaching posts are lying vacant for a long time. They should be filled up.
The issue was taken into account by the administration. The matter was discussed in the BOM. The BOM resolved to update the existing non teaching recruitment rules as per the latest provision of the UGC/Govt. of India. The rules have been updated and now they are under review.

4.The teaching and non teaching staff members should be rewarded and honoured with a certificate for their best performance once in a year.
This practice has been started. Three non-teaching employees (Mr Rajendra Singh, Mr Harpal Singh and Mr. Birendra Singh) were honoured with certificates of honour, mementoes and a cash of Rs. 5000/ each on Independence day.

5. A Central Video Conferencing system should be created on the campus.
It has been accepted in principle by the administration. The system shall be installed as soon as the grant is released by the UGC.

6. Keeping in view the NAAC visit, a software is needed for preparing the database of all teachers.
The resolution has been accepted in principle. The software shall be purchased as soon as the grant is released by the UGC.

7. An alumni fund should be raised in the institution.
The efforts have been made in this direction. A committee has been constituted to create this fund. Mr. Ambrish Kumar, (Ex MLA) the President, Alumni Association of the institution announced in the meeting to donate Rs. 50,000/.

8. In order to publish books on Indian knowledge tradition, the manuscripts from the teachers should be invited.
Accordingly, the manuscripts were invited. The manuscripts are in the process of publication. Last year three books were published on Indian aesthetics.

9. Plagiarism software for research should be implemented at the earliest.
Urkund Plagiarism software for research has been started.

Chairman, IQAC

Director, IQAC